



Series Z1YXW/C



SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 3/C/2

रोल नं.



परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें । *

हिन्दी (अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

नोट :

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 19 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्न-पत्र में कुल 17 प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं – खण्ड अ और खण्ड ब । खण्ड अ में बहुविकल्पी/वस्तुपरक और खण्ड ब में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं ।
- खण्ड अ में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खण्ड ब में कुल 7 प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं । निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।
- यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार ही लिखिए ।



खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यान से पढ़कर किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

(I) एक दिन व्याकरणाचार्य ने खुश होकर मुझेसे कहा —

बोल ! तुझे क्या बना दूँ ?

ध्वनि बना दूँ, व्यंजन बना दूँ, अव्यय बना दूँ

स्वर बना दूँ, उपसर्ग बना दूँ या प्रत्यय बना दूँ ?

प्रत्यय का नाम आते ही मैंने उन्हें टोका

और हाथ जोड़ते हुए रोका !

न बाबा न !

मुझे भूलकर भी प्रत्यय न बनाना !

भाषा में यही सबसे शोषित है, पिछलग्गू है

जिसके पीछे लगता है, उसी में खो जाता है

पूरा का पूरा उसी का हो जाता है

सो व्याकरणाचार्य जी !

मुझे व्यक्तित्वहीन ही रखना है

तो प्रत्यय नहीं 'उपसर्ग' बनाना

जिसका धर्म है — खुद को मिटाकर

औरों को नए-नए रंगों से सजाना

उन्हें उनके नए अवतार देना

किसी को विस्तार, तो किसी को संस्कार देना

कभी-कभी लगता है

उपसर्ग किसी नाट्यशाला का मेकअप मैक है

जो किसी को मूँछ तो किसी को दाढ़ी लगाता है ।

किसी को 'बिंदी' तो किसी को साड़ी पहनाता है ।



- (i) कवि ने 'उपसर्ग' को किस रूप में चित्रित किया है ?
- (a) मूँछ लगाने वाला (b) मेकअप करने वाला
(c) दाढ़ी लगाने वाला (d) साड़ी पहनाने वाला
- (ii) प्रत्यय के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन असत्य है ?
- (a) प्रत्यय शोषित है, जिसके पीछे लगता है, उसी में खो जाता है।
(b) प्रत्यय मजदूर है, औरों को आकार देते-देते अपना सब-कुछ हार जाता है।
(c) प्रत्यय खुद को मिटाकर दूसरों को नए-नए रंगों से सजाता है।
(d) प्रत्यय की अपनी कोई पहचान नहीं होती।
- (iii) कवि द्वारा 'प्रत्यय' न बनकर 'उपसर्ग' बनने की अभिलाषा प्रकट करना, उसके व्यक्तित्व की किस विशेषता को प्रकट करता है ?
- (a) सृजनशीलता (b) परदुःखकातरता
(c) विनम्रता (d) सहृदयता
- (iv) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए :
- कथन (A) : कवि उपसर्ग बनना पसंद करता है।
कारण (R) : कवि उपसर्ग की भाँति औरों का भला करना चाहता है।
- (a) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(d) कथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं।
- (v) उपसर्ग द्वारा किसी को दाढ़ी, मूँछ, बिंदी लगाने या साड़ी पहनाने से क्या अभिप्राय है ?
- (a) सजाना-सँवारना (b) कमियाँ छिपाना
(c) नया रूप प्रदान करना (d) आधुनिक बनाना

अथवा

- (II) हो दोस्त या कि वह दुश्मन हो,
हो परिचित या परिचय विहीन
तुम जिसे समझते रहे बड़ा
या जिसे मानते रहे दीन
यदि कभी किसी कारण से



उसके यश पर पड़ती दिखे धूल,
तो सख्त बात कह उठने की,
रे, तेरे हाथों हो न भूल ।
मत कहो कि वह ऐसा ही था,
मत कहो कि इसके सौ गवाह,
यदि सचमुच ही वह फिसल गया
या पकड़ी उसने ग़लत राह –
तो सख्त बात से नहीं, स्नेह से
काम ज़रा लेकर देखो,
अपने अन्तर का नेह अरे,
देकर देखो ।
कितने भी गहरे रहें गर्त,
हर जगह प्यार जा सकता है,
कितना भी भ्रष्ट ज़माना हो,
हर समय प्यार भा सकता है ।
जो गिरे हुए को उठा सके,
इससे प्यारा कुछ जतन नहीं,
दे प्यार उठा पाए न जिसे
इतना गहरा कुछ पतन नहीं ।
देखे से प्यार भरी आँखें
दुस्साहस पीले होते हैं
हर एक धृष्टता के कपोल
आँसू से गीले होते हैं ।
तो सख्त बात से नहीं
स्नेह से काम ज़रा लेकर देखो
अपने अन्तर का नेह
अरे, देकर देखो ।



- (i) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन :

- (क) मनुष्य को सदैव मीठी वाणी का प्रयोग करना चाहिए ।
(ख) प्रेमपूर्वक व्यवहार से ही दूसरों को जीता जा सकता है ।
(ग) दूसरों के साथ कठोरता से नहीं कोमलता का बर्ताव करना चाहिए ।
(घ) प्रेमपूर्वक व्यवहार संसार में सभी को अच्छा लगता है ।

विकल्प :

- (a) कथन (ख) सही है ।
(b) कथन (क) और (ग) सही हैं ।
(c) कथन (क), (ग) और (घ) सही हैं ।
(d) कथन (क), (ख) और (घ) सही हैं ।
- (ii) कविता के अनुसार संसार में सबसे उत्तम प्रयास किसे कहा गया है ?
(a) कठोर परिश्रम करना
(b) सत् व्यवहार करना
(c) दूसरों की सहायता करना
(d) मधुर शब्दों का प्रयोग करना
- (iii) 'हर एक धृष्टता के कपोल
आँसू से गीले होते हैं।' – पंक्तियों का भाव है :
(a) कठोर से कठोर व्यक्ति भी दुखों से विचलित होता है ।
(b) कठोर से कठोर व्यक्ति भी प्रेमपूर्वक व्यवहार से द्रवित होता है ।
(c) साहसी व्यक्ति भी दुखों से घबराकर रोता है ।
(d) साहसी व्यक्ति भी प्रेमपूर्वक व्यवहार की अपेक्षा रखता है ।
- (iv) दूसरों की कीर्ति धूमिल पड़ने पर कवि ने क्या **नहीं** करने की सलाह दी है ?
(a) उसकी आलोचना (b) उसका उपहास
(c) उसकी सराहना (d) उसकी सहायता
- (v) ग़लत राह पर चलने वाले व्यक्ति को सही राह पर लाया जा सकता है :
(a) कठोर अनुशासन द्वारा
(b) प्रेमपूर्वक व्यवहार द्वारा
(c) मित्रवत् व्यवहार द्वारा
(d) धैर्य एवं संयम द्वारा



2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

समाचार-पत्रों में भ्रष्टाचार के प्रति जो इतना आक्रोश है, वह यही प्रमाणित करता है कि हम ऐसी चीजों को ग़लत मानते हैं और समाज के उन तत्त्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं, जो ग़लत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं। दोषों का पर्दाफ़ाश करना बुरी बात नहीं है। बुराई यह मालूम होती है कि किसी के आचरण के ग़लत पक्ष को प्रकट करते समय उसमें रस लिया जाता है और दोष उद्घाटन करना ही एकमात्र कर्तव्य मान लिया जाता है। बुराई में आनंद लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही आनंद लेकर प्रकट न करना और भी बुरी बात है। सैकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती हैं जिन्हें उजागर करने से लोगों के हृदय में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जगती है।

एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते हुए ग़लती से मैंने दस के बजाय सौ रुपए का नोट दिया और मैं जल्दी-जल्दी गाड़ी में आकर बैठ गया। थोड़ी देर में टिकट बाबू उन दिनों के सेकंड क्लास के डिब्बे में हर आदमी का चेहरा पहचानता हुआ उपस्थित हुआ। उसने मुझे पहचान लिया और बड़ी विनम्रता के साथ मेरे हाथ में नब्बे रुपए रख दिए और बोला, “यह बहुत बड़ी ग़लती हो गई थी। आपने भी नहीं देखा, मैंने भी नहीं देखा।” उसके चेहरे पर विचित्र संतोष की गरिमा थी। मैं चकित रह गया।

- (i) गद्यांश के आधार पर समाज की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाने में सबसे प्रमुख कारक है :
- कमियों का पर्दाफ़ाश करना
 - अनुचित तरीके से धन या मान संगृहीत करना
 - परनिंदा में आनंद लेना
 - व्यर्थ में समय व्यतीत करना
- (ii) समाचार-पत्रों में किसके प्रति आक्रोश है ?
- अच्छाई को प्रसारित न करने के प्रति
 - भ्रष्टाचार के प्रति
 - झूठी अफवाहें फैलाने के प्रति
 - दोषों का पर्दाफ़ाश करने के प्रति
- (iii) दोषों का पर्दाफ़ाश करने में बुराई कब आती है ?
- जब किसी के ग़लत आचरण बताने में रस लिया जाता है।
 - जब किसी की अच्छाई को स्वीकार न किया जाए।
 - जब किसी के अच्छे कार्य में सहयोग न दिया जाए।
 - जब किसी में केवल दोष ही दोष ढूँढ़े जाएँ।



(iv) लोगों के हृदय में सद्भाव जागृत करने के लिए क्या आवश्यक है ?

- (a) अच्छाई का प्रचार-प्रसार करना
- (b) बुराई के प्रचार पर रोक लगाना
- (c) अच्छाई को सम्मानित करना
- (d) सत्पुरुषों की संगति करना

(v) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : टिकट बाबू के चेहरे पर विचित्र संतोष की गरिमा थी।

कारण (R) : उसने लेखक को ढूँढ़ लिया था।

- (a) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- (b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।
- (c) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
- (d) कथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

3. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 4×1=4

(i) कर्तृ वाच्य में क्रिया का प्रयोग किसके अनुरूप होता है ?

- (a) कर्ता के
- (b) कर्म के
- (c) भाव के
- (d) लिंग के

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य के वाक्यों को पहचानिए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

- (क) मुझसे पढ़ा नहीं जाता।
- (ख) बच्चों से शांत नहीं रहा जा सकता।
- (ग) घोड़े से भागा नहीं जा रहा।
- (घ) हमें बुलाया जा रहा था।

विकल्प :

- (a) केवल कथन (क) सही है।
- (b) कथन (क), (ख) व (ग) सही हैं।
- (c) कथन (क), (ख), (ग) व (घ) सही हैं।
- (d) केवल कथन (घ) सही है।



- (iii) “बच्चे गाना सुन चुके थे।” वाक्य का कर्मवाच्य बनेगा :
- (a) बच्चों द्वारा गाना सुना जा चुका है।
(b) बच्चों द्वारा गाना सुना जा रहा था।
(c) बच्चों द्वारा गाना सुना जा सकेगा।
(d) बच्चों द्वारा गाना सुना जा चुका था।
- (iv) “उस्ताद द्वारा हमें संगीत सिखाया जाएगा।” वाक्य का कर्तृवाच्य होगा :
- (a) उस्ताद ने हमें संगीत सिखाया।
(b) उस्ताद द्वारा हम संगीत सीखेंगे।
(c) उस्ताद से हमें संगीत सिखाया गया।
(d) उस्ताद हमें संगीत सिखाएँगे।
- (v) स्तंभ I का स्तंभ II से मिलान कीजिए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ I	स्तंभ II
(अ) सोहन द्वारा पत्र लिखा जा रहा है।	(I) कर्तृवाच्य
(ब) दादी द्वारा सोया नहीं जाता।	(II) कर्मवाच्य
(स) महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की।	(III) भाववाच्य

विकल्प :

- (a) (अ-II), (ब-III), (स-I)
(b) (अ-I), (ब-II), (स-III)
(c) (अ-III), (ब-I), (स-II)
(d) (अ-II), (ब-I), (स-III)



4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 4×1=4

(i) "पानवाले के लिए यह मजेदार बात थी, लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली।" रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए :

- (a) सरल वाक्य
- (b) संयुक्त वाक्य
- (c) मिश्र वाक्य
- (d) साधारण वाक्य

(ii) स्तंभ I का स्तंभ II से मिलान कीजिए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ I	स्तंभ II
(अ) बच्चे कक्षा में शान्तिपूर्वक बैठे हैं।	(I) संयुक्त वाक्य
(ब) ऐसा कौन-सा व्यक्ति है, जिसने महात्मा गाँधी का नाम न सुना हो।	(II) सरल वाक्य
(स) सत्य बोलो पर कटु सत्य मत बोलो।	(III) मिश्र वाक्य

विकल्प :

- (a) (अ-I), (ब-II), (स-III)
- (b) (अ-II), (ब-III), (स-I)
- (c) (अ-III), (ब-I), (स-II)
- (d) (अ-I), (ब-III), (स-II)

(iii) "वह बाज़ार गया। उसने घर का जरूरी सामान खरीदा। वह घर वापस आ गया।" वाक्यों का संयुक्त वाक्य बनेगा :

- (a) जब वह बाज़ार गया तब घर का जरूरी सामान खरीदकर वापस आ गया।
- (b) उसने बाज़ार जाकर घर का जरूरी सामान खरीदा और वापस आ गया।
- (c) वह बाज़ार गया और घर का जरूरी सामान खरीदकर वापस आ गया।
- (d) (b) एवं (c) दोनों।



- (iv) एक बार कॉलेज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि “पिता जी आकर मिलें”। वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए।
- (a) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(d) प्रधान उपवाक्य

- (v) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य पहचान कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :
- (क) जैसा गुरु जी ने कहा था, मैंने वैसा ही किया।
(ख) मैंने घर जाकर विश्राम किया।
(ग) पिता जी बाज़ार गए और फल लाए।
(घ) अनुराग ने मुझे कॉपी और किताब दी।

विकल्प :

- (a) कथन (क), (ख), (ग) व (घ) सही हैं।
(b) कथन (ख) व (घ) सही हैं।
(c) कथन (क) व (ग) सही हैं।
(d) केवल कथन (क) सही है।

5. निर्देशानुसार ‘अलंकार’ पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

4×1=4

- (i) ‘देख लो साकेत नगरी है यही स्वर्ग से मिलने गगन जा रही।’ पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
- (a) अतिशयोक्ति अलंकार
(b) श्लेष अलंकार
(c) अनुप्रास अलंकार
(d) उत्प्रेक्षा अलंकार



(ii) निम्नलिखित में उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण कौन-सा है ?

- (a) मखमल के झूल पड़े हाथी-सा टीला ।
(b) मेघ आए बड़े बन सँवर के
(c) उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा ।
मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा ॥
(d) धँस गए धरा में सभय शाल ।

(iii) स्तंभ I का स्तंभ II से मिलान कीजिए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ I	स्तंभ II
(अ) मानवीकरण अलंकार	(I) पानी गए न उबरे, मोती-मानुष-चून ।
(ब) श्लेष अलंकार	(II) कढ़त साथ ही म्यान तैं, असि रिपु तज तैं प्राण ।
(स) अतिशयोक्ति अलंकार	(III) उषा सुनहले तीर बरसाती जय लक्ष्मी-सी उदित हुई ।

विकल्प :

- (a) (अ-I), (ब-III), (स-II)
(b) (अ-III), (ब-II), (स-I)
(c) (अ-II), (ब-III), (स-I)
(d) (अ-III), (ब-I), (स-II)
- (iv) 'जगकर सजकर रजनी बाले' इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
(a) श्लेष अलंकार
(b) अतिशयोक्ति अलंकार
(c) मानवीकरण अलंकार
(d) उत्प्रेक्षा अलंकार
- (v) उपमेय में उपमान की कल्पना या संभावना वाला अलंकार कौन-सा अलंकार होता है ?
(a) मानवीकरण अलंकार
(b) श्लेष अलंकार
(c) अतिशयोक्ति अलंकार
(d) उत्प्रेक्षा अलंकार



6. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

4×1=4

- (i) “पानवाला नया पान खा रहा था।” में रेखांकित पद का पद-परिचय है :
- (a) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य
(b) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य
(c) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(d) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
- (ii) “मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था।” इस वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय होगा :
- (a) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक
(b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक
(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक
(d) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक
- (iii) ठीक को घबराने की जरूरत नहीं होती। ठीक आदमी को कोई गलत साबित नहीं कर सकता। दोनों वाक्यों में ठीक का सामान्य पद-परिचय होगा :
- (a) पहला ठीक – पुरुषवाचक सर्वनाम, दूसरा ठीक – जातिवाचक संज्ञा
(b) पहला ठीक – गुणवाचक विशेषण, दूसरा ठीक – पुरुषवाचक सर्वनाम
(c) पहला ठीक – जातिवाचक संज्ञा, दूसरा ठीक – गुणवाचक विशेषण
(d) पहला ठीक – गुणवाचक विशेषण, दूसरा ठीक – भाववाचक संज्ञा
- (iv) पहाड़ों से पत्थर लुढ़कर-लुढ़कर गिर रहे थे। रेखांकित पद का परिचय होगा :
- (a) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – गिर रहे थे
(b) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – गिर रहे थे
(c) कालवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – गिर रहे थे
(d) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – गिर रहे थे
- (v) “वे गुनगुनाने लगती हैं।” वाक्य में रेखांकित पद का परिचय होगा :
- (a) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(b) निजवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(c) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(d) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक



7. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5×1=5

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी ।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।
ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौँ लागी ।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी ।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी ॥

- (i) उपर्युक्त पद में वक्ता और श्रोता क्रमशः हैं :
- (a) सूरदास – उद्धव
(b) सूरदास – गोपियाँ
(c) गोपियाँ – उद्धव
(d) उद्धव – गोपियाँ
- (ii) 'ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी' पंक्ति में 'बड़भागी' विशेषण द्वारा उद्धव को क्या कहा जा रहा है ?
- (a) उद्धव श्रीकृष्ण के पास रहने के कारण बहुत भाग्यशाली है ।
(b) उद्धव गोपियों के पास आने के कारण बहुत भाग्यशाली है ।
(c) उद्धव को भाग्यशाली कहने में व्यंग्य निहित है ।
(d) प्रेम रूपी बंधनों से मुक्त रहने के कारण उद्धव भाग्यशाली है ।
- (iii) 'अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी' पंक्ति का भावार्थ है :
- (a) प्रेम रूपी बंधन में न बँधने के कारण उद्धव गोपियों की वेदना नहीं समझ सकते ।
(b) उद्धव अनुरागी होने के कारण गोपियों की वेदना नहीं समझ सकते ।
(c) प्रेम के बंधन में नहीं बँधने पर भी उनका मन अनुरागी है ।
(d) प्रेम रूपी धागे में बंधकर ही उद्धव का मन अनुरागी है ।



- (iv) 'प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी' पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि किसके रूप पर मुग्ध होने की बात की जा रही है ?
- (a) प्रेम रूपी नदी के
(b) उद्धव के रूप पर
(c) श्रीकृष्ण के रूप पर
(d) श्रीकृष्ण की दृष्टि पर
- (v) उद्धव के व्यवहार की तुलना किससे की गई है ?
- (a) चींटी से
(b) तेल की मटकी से
(c) कमल के पत्ते से
(d) (b) और (c) दोनों

8. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 2×1=2

- (i) विश्वामित्र ने साधु-महात्मा की किस विशेषता का वर्णन किया है ?
- (a) साधु-महात्मा कड़वा बोलने वाले पर क्रोध नहीं करते ।
(b) साधु-महात्मा अपनी विशेषता का बखान खुद करते हैं ।
(c) साधु-महात्मा बालक के गुण-दोषों की तरफ ध्यान नहीं देते ।
(d) साधु-महात्मा बालक के दोष-गुणों की तरफ विशेष ध्यान देते हैं ।
- (ii) संगतकार कविता से ली गई पंक्ति 'जब वह नौसिखिया था' वाक्य में 'नौसिखिया' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है ?
- (a) कवि के लिए
(b) मुख्य गायक के लिए
(c) संगतकार के लिए
(d) श्रोताओं के लिए



9. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5×1=5

जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व सुई-धागे का आविष्कार हुआ, वह है व्यक्ति विशेष की संस्कृति; और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, जो चीज़ उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की, उसका नाम है – सभ्यता ।

जिस व्यक्ति में पहली चीज़, जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा । एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है । जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता । एक आधुनिक उदाहरण लें । न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त का आविष्कार किया । वह संस्कृत मानव था । आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से परिचित तो है ही; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है, जिनसे शायद न्यूटन भी अपरिचित ही रहा हो । ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सकें; पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते ।

- (i) व्यक्ति वास्तव में संस्कृत कब कहा जा सकता है ?
- पहले से उपलब्ध ज्ञान की मदद से नए आविष्कार करे ।
 - जब वह बिना किसी की मदद से आगे बढ़े ।
 - जब वह अपने विवेक से किसी नई चीज़ की खोज करे ।
 - अपने पूर्वजों की खोज में नई उपलब्धियाँ जोड़े ।
- (ii) सुई-धागे के आविष्कार से आगे चलकर जो प्रगति हुई, वह क्या कहलाएगी ?
- सभ्यता
 - संस्कृति
 - देश विशेष की संस्कृति
 - समाज विशेष की संस्कृति
- (iii) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
- गुरुत्वाकर्षण सिद्धान्त के परिचय के साथ-साथ अन्य बातों की जानकारी सभ्यता कहलाती है ।
 - आग का आविष्कार व्यक्ति की संस्कृति के अंतर्गत आता है ।
 - जब कोई वस्तु बिना प्रयत्न प्राप्त हो जाती है तो वह संस्कृति कहलाती है ।
 - व्यक्ति में नया तथ्य जितना अधिक परिष्कृत होगा, वह उतना ही अधिक परिष्कृत आविष्कर्ता होगा ।



- (iv) “जिस व्यक्ति में पहली चीज़, जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक और वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा।” वाक्य में ‘पहली चीज़’ से लेखक का क्या अभिप्राय है ?
- (a) व्यक्ति में विद्यमान उसकी योग्यता, प्रवृत्ति और प्रेरणा का बल
(b) व्यक्ति में विद्यमान उसकी बुद्धि, शक्ति और सामर्थ्य का बल
(c) व्यक्ति में विद्यमान उसका शारीरिक बल
(d) व्यक्ति में विद्यमान उसका मानसिक बल
- (v) संस्कृत व्यक्ति की संतान को कौन-सी चीज़ अपने पूर्वजों से प्राप्त **नहीं** हुई है ?
- (a) सुई-धागे का आविष्कार
(b) नए तथ्यों को खोजना
(c) गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत
(d) आग का आविष्कार

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित **दो** बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 2×1=2

- (i) ‘नेताजी का चश्मा’ पाठ के आधार पर लिखिए कि कस्बे से गुजरते समय हालदार किसके विषय में सोच रहे थे ?
- (a) नेताजी की मूर्ति के विषय में
(b) नेताजी की मूर्ति बनाने वाले के विषय में
(c) गाँव वालों के विषय में
(d) नेताजी की मूर्ति पर लगे चश्मे के विषय में
- (ii) निम्नलिखित में से संस्कृति का कौन-सा उदाहरण **नहीं** है ?
- (a) जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है
(b) जो योग्यता सुई-धागे व आग का आविष्कार कराती है
(c) जो योग्यता महामानव से सर्वस्व विनाश कराती है
(d) जो योग्यता महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है



खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : 3×2=6

- (क) लक्ष्मण के व्यंग्यपूर्ण वचनों को सुनकर परशुराम जी की क्या प्रतिक्रिया थी ? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए ।
- (ख) मित्रों के द्वारा बार-बार कहने पर भी कवि आपबीती कहने से क्यों कतरा रहे थे ? 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए ।
- (ग) कवि ने 'उत्साह' कविता में बादल को 'कविता' एवं 'नवजीवन वाले' कहकर क्यों संबोधित किया है ?
- (घ) 'उसे विफलता नहीं, उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए' यह पंक्ति किसके लिए और क्यों प्रयोग हुई है ? कविता के आधार पर लिखिए ।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : 3×2=6

- (क) हालदार साहब जब भी कस्बे से गुजरते तो चौराहे पर लगी नेता जी की मूर्ति पर चश्मा बदला हुआ देखते । मूर्ति पर चश्मा बदलते रहने का क्या कारण था ?
- (ख) 'लखनवी अंदाज' पाठ के संदर्भ में 'सनक' के विभिन्न रूपों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
- (ग) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए कि बालाजी मंदिर का रास्ता कहाँ से होकर जाता है और इस रास्ते से जाना बिस्मिल्ला खाँ को अच्छा क्यों लगता है ?
- (घ) शीला अग्रवाल का मन्नू भंडारी के जीवन में क्या योगदान रहा ? 'एक कहानी यह भी' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।



13. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : 2×4=8

- (क) “दुनिया में माँ की गोद से सुरक्षित कोई भी जगह नहीं होती।” कैसे ? ‘माता का अँचल’ पाठ के आधार पर लिखिए।
- (ख) विज्ञान के जहाँ सदुपयोग हैं, वहीं दुरुपयोग भी हैं। विज्ञान के दुरुपयोगों में हिरोशिमा की घटना सबसे खतरनाक है। आपकी नज़र में विज्ञान का कहाँ-कहाँ और किस रूप में ग़लत उपयोग किया जा रहा है ? ‘मैं क्यों लिखता हूँ’ पाठ के संदर्भ में लिखिए।
- (ग) फौजी हर परिस्थिति में कठिनाइयों का सामना करते हुए दुश्मनों से देश की रक्षा करके अपना कर्तव्य निभाते हैं। हमें उनके प्रति अपना उत्तरदायित्व निभाने के लिए क्या करना चाहिए ? ‘साना-साना हाथ जोड़ि’ पाठ के संदर्भ में लिखिए।

14. (क) आपका नाम सुखलाल है। आप 790/5, क.ख.ग. कॉलोनी में रहते हैं और आपके मित्र का नाम कुणाल है जो कि 1035/17, अ.ब.स. कॉलोनी में रहता है जिसने राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। आप अपने और अपने परिवार की तरफ से उसे लगभग 100 शब्दों में एक बधाई पत्र लिखिए। 5

अथवा

(ख) आपका नाम देव/देविका है। आपके शहर में चोरी और झपटमारी की घटनाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। बढ़ते हुए अपराधों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी हिंदी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

15. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए : 1×6=6

(क) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

- सूक्ति का अर्थ
- निराशा अभिशाप
- दृष्टिकोण परिवर्तन
- सकारात्मक सोच

(ख) आज की बचत कल का सुख

- बचत का अर्थ
- बाल्यावस्था से ही बचत की आदत
- बचत का महत्त्व
- सुखमय भविष्य



- (ग) शिक्षक दिवस पर मेरी भूमिका
- शिक्षक दिवस का परिचय
 - भूमिका क्या थी
 - कैसे निभाई
 - प्रभाव और परिणाम

16. (क) आपके पिताजी ने साड़ियों की एक दुकान खोली है। साड़ी की विक्रय बढ़ाने हेतु लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

4

अथवा

- (ख) अपने मित्र के जन्मदिवस पर शुभकामना देते हुए उसे लगभग 60 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए।

4

17. (क) आपके शहर में बिजली के खंभे टूट गए हैं, जिसके कारण आपको अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नए खंभे लगवाने के लिए बिजली बोर्ड के अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल भेजिए।

5

अथवा

- (ख) आपका नाम सौम्य/सौम्या है। आपने बी.बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की है साथ ही किसी प्रतिष्ठित संस्थान से प्रबंधन में दो वर्षीय डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। अ.ब.स. कंपनी में प्रबंधक (मैनेजर) का पद रिक्त है। आपको उस पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

5